अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
भूमिका	**01-02**
अध्याय - 01 : रमाशंकर 'विद्रोही' : सुल्तानपुर से जे.एन.यू. तक	**03-15**
1.1 विद्रोही : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	
1.2 विद्रोही : समय से मुठभेड़	
अध्याय - 02 : रमाशंकर 'विद्रोही' की कविताओं में युगचेतना	**16-52**
2.1 युगचेतना का अर्थ एवं स्वरूप	
2.2 युगचेतना के विविध आयाम	
2.3 विद्रोही की जनवादी चेतना	
अध्याय - 03 : रमाशंकर 'विद्रोही' की कविता और नव विमर्श	**53-83**
3.1 विद्रोही की कविताओं में स्त्री चेतना	
3.2 विद्रोही की कविताओं में दलित चेतना	
3.3 विद्रोही की कविताओं में किसान चेतना	
अध्याय - 04 : रमाशंकर 'विद्रोही' की काव्य भाषा	**84-99**
4.1 विद्रोही की भाषा	
4.2 विद्रोही की शैली	
उपसंहार	**100-102**
संदर्भ ग्रंथ – सूची	**103-104**